

अदृश्य मॅटल परतें

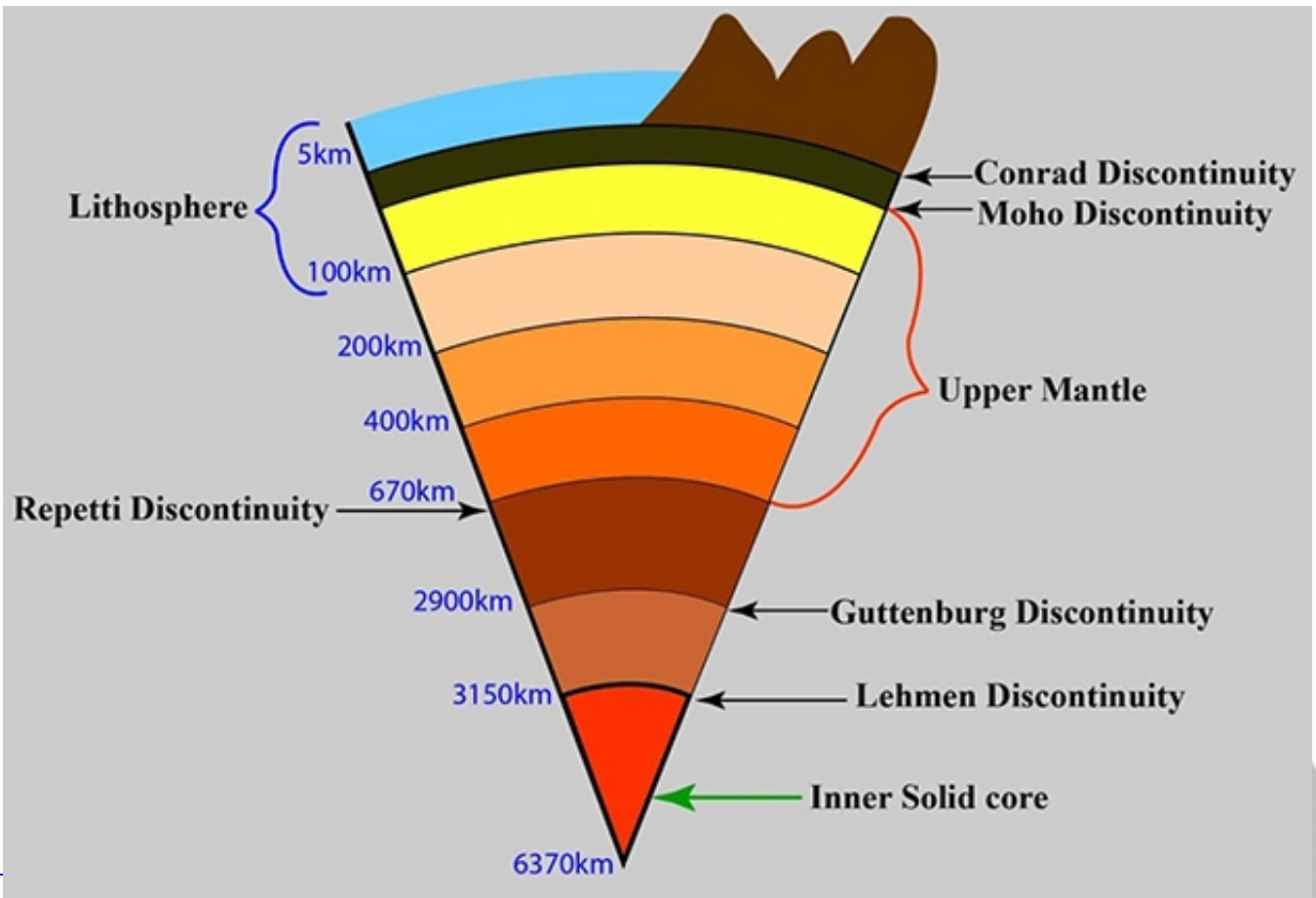
दो नए अध्ययनों के अनुसार, मॅटल यानी पृथ्वी की **ऊपरी भू-परपटी** और **आंतरिक करोड** के बीच ठोस चट्टान की एक परत ने दो नई परतों को छपिा रखा है।

प्रमुख बदि

- यह पहली परत ऊपरी मॅटल में एक श्यानता ज़ोन (Viscosity Zone) है, जो लगभग 100 किलोमीटर मोटी है, जसि GPS सेंसर के उपयोग से गहरे भूकंपों (वर्ष 2018 फजी में 8.2 तीव्रता का भूकंप) का अध्ययन कर खोजा गया था।
- दूसरी परत आंशिक रूप से पघिली हुई है जो 90 कमी. से 150 कमी. तक फैली हुई है और टेक्टोनिक प्लेटों के नीचे स्थिति है।
 - भूकंपीय तरंगों के विश्लेषण से इस परत की खोज हुई, जो अधिक तापमान की ओर इशारा करती है।

पृथ्वी की मॅटल परत:

- परचिय:
 - मॅटल ठोस चट्टान की एक परत है जसिकी मोटाई लगभग 2,900 किलोमीटर (1,800 मील) है और यह भू-परपटी के नचिले भाग से लेकर करोड के उपरी भाग तक वसितुत है।
 - मॅटल पृथ्वी के आंतरिक भाग की सबसे बड़ी परत है, जो पृथ्वी के आयतन का लगभग 84% और इसके द्रव्यमान का लगभग 68% है।
- संरचना:
 - मॅटल लौह और मैग्नीशियम से भरपूर सलिकेट चट्टानों से नरि्मति है, यह ऊपरी मॅटल तथा नचिले मॅटल में वभिाजति है।
- महत्त्व:
 - मॅटल पृथ्वी की संरचना का एक महत्त्वपूर्ण हसि्सा है और भूगर्भिक प्रक्रियाओं में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिाता है जो ग्रह की सतह को आकार देता है, जैसे कि **प्लेट वविरतनकी** और **जवालामुखीय गतविधि**।
 - मॅटल का चपिचपिा गुण संवहन को नरियंत्रति करता है- वभिन्नि तापमान वाले क्षेत्रों के बीच ऊष्मा का स्थानांतरण।
 - कोर द्वारा उत्पन्न ऊष्मा मॅटल के माध्यम से स्थानांतरति होती है, जो पृथ्वी की सतह पर वविरतनकि प्लेटों की गतिको संचालति करती है।



UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. पृथ्वी ग्रह की संरचना में प्रावार (मेंटल) के नीचे, कोर मुख्य रूप से नमिनलखिति में से एक से बना है? (2009)

- (a) एलयुमीनयिम
- (b) क्रोमयिम
- (c) आयरन
- (d) सलिकिऑन

उत्तर: (c)

??????:

प्रश्न. मेंटल प्लूम को परभाषति कीजयि और प्लेट वविरतनकी में इसकी भूमकि को सपष्ट कीजयि। (2018)

स्रोत: डाउन टू अर्थ